



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 19 नवम्बर, 2004/28 कार्तिक, 1926

## हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

चम्बा, 13 जुलाई, 2004

क्रमांक पंच-ए० (16) 10/79-02-II-621-28.—एतद्वारा श्री हरि नाथ, सदस्य-3, ग्राम पंचायत रई, विकास खण्ड पांगी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम (संशोधन) 2000 (2000 का अधिनियम संख्या-18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है) :

परन्तु खण्ड 7 के अधीन निहरता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 7 का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001

के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी के कार्यालय पत्र संख्या 160, दिनांक 13-4-2004 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया जाता है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत रई के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 26-2-2002 को हुआ है इस प्रकार यह आपकी चौथी सन्तान है, जोकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड ण के अन्तर्गत अयोग्यता हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर उक्त के बारे में अपना पक्ष प्रस्तुत करें यदि आपका उत्तर उक्त अवधि तक प्राप्त नहीं होगा तो आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

चम्बा, 13 जुलाई, 2004

क्रमांक पंच-ए०-(16) 10/79-02-II-629-36.—एतद्वारा श्रीमती गुड्डो, सदस्य वार्ड-I, ग्राम पंचायत रई, विकास खण्ड पांगी, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम (संशोधन), 2000 (2000 का अधिनियम संख्या-18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड ण की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है) :

परन्तु खण्ड ण के अधीन निहरता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड ण का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था के पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी के कार्यालय पत्र संख्या 160 दिनांक . . . . . के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत रई के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 2-12-2003 को हुआ है इस प्रकार यह आपकी तीसरी सन्तान है, जोकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड ण के अन्तर्गत अयोग्यता हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर उक्त के बारे में अपना पक्ष प्रस्तुत करें यदि आपका उत्तर उक्त अवधि तक प्राप्त नहीं होगा तो आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

चम्बा, 13 जुलाई, 2004

क्रमांक पंच-ए० (16) 10/79-02-II-676-83.—एतद्वारा श्री योग सिंह, पंचायत समिति सदस्य पुर्यो, विकास खण्ड पांगी, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम (संशोधन) 2000 (2000 का अधिनियम संख्या-18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड ण की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है) :

परन्तु खण्ड 7 के अधीन निहरता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 7 का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था से पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी के कार्यालय पत्र संख्या 160 दिनांक 13-4-2004 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत पुरी के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 25-10-2001 को हुआ है इस प्रकार यह आपकी तीसरी सन्तान है, जोकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 के अन्तर्गत अयोग्यता हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर उक्त के बारे में अपना पक्ष प्रस्तुत करें यदि आपका उत्तर उक्त अवधि तक प्राप्त नहीं होगा तो आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

चम्बा, 13 जुलाई, 2004

क्रमांक-पंच0-ए0 (16) 10/79-02-II-611-18.—एतद्वारा श्री केहर सिंह, पंचायत समिति सदस्य रई, विकास खण्ड पांगी, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम संशोधन, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या-18) के अन्तर्गत हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उनके दो से अधिक जीवित सन्तान है) :

परन्तु खण्ड 7 के अधीन निहरता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हि0 प्र0 पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हि0 प्र0 पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 7 का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था से पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी के कार्यालय पत्र संख्या 160, दिनांक 13-4-2004 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत रई के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 27-8-2002 को हुआ है इस प्रकार यह आपकी चौथी सन्तान है, जो कि हि0 प्र0 पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 के अन्तर्गत अयोग्यता हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-2 उक्त बारे में अपना पक्ष प्रस्तुत करें यदि आपका उत्तर उक्त अवधि तक प्राप्त नहीं होगा तो आपके विरुद्ध हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

चम्बा, 13 जुलाई, 2004

क्रमांक-पंच0-ए0 (16) 10/79-02-II.—एतद्वारा श्री कुलवंश, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत कुलेठ, विकास खण्ड भरमौर, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम संशोधन, 2000 (2000 का

अधिनियम संख्या-18) के अन्तर्गत हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है) :

परन्तु खण्ड 7 के अधीन निहरता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 7 का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था से पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी के कार्यालय पत्र संख्या शून्य दिनांक शून्य के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत कुलेठ के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 10-2-2002 को हुआ है इस प्रकार यह आपकी तीसरी सन्तान है, जो कि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) खण्ड 7 के अन्तर्गत अयोग्यता हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-2 उक्त के बारे में अपना पक्ष प्रस्तुत करें यदि आपका उत्तर उक्त अवधि तक प्राप्त नहीं होगा तो आपके विरुद्ध हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

चम्बा, 17 जुलाई, 2004

क्रमांक-पंच०-ए० (16) 10/69-02-II-653-60.—एतद्वारा श्री टेक चन्द, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत साच, विकास खण्ड पांगी, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, संशोधन, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत हि० प्र० पंचायती अधिनियम, 2000 की धारा की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है) :

परन्तु खण्ड 7 के अधीन निहरता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 7 का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था से पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी के कार्यालय पत्र संख्या 160, दिनांक 13-4-2004 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत साच के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 13-6-2001 को हुआ है इस प्रकार यह आपकी तीसरी सन्तान है, जो कि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 के अन्तर्गत अयोग्यता हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-2 उक्त के बारे में अपना पक्ष प्रस्तुत करें यदि आपका उत्तर उक्त अवधि तक प्राप्त नहीं होगा तो आपके विरुद्ध हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

चम्बा-176310, 13 जुलाई, 2004

संख्या-पंच-चम्बा-ए (16) 10/79-2002-II-668-75.—एतद्वारा श्रीमती इन्द्रा देवी, सदस्या, वार्ड नं० 4, ग्राम पंचायत उलासा, विकास खण्ड भरमौर, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम (संशोधन) 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड ग की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित संतान है) :

परन्तु खण्ड (ग) के अधीन निहरता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथा स्थिति हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और संतान नहीं होती।

अतः क्योंकि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड ग का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक संतान है तो वह पंचायती राज संस्था के पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी के कार्यालय पत्र संख्या 1974 दिनांक 22-10-2003 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त संतान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत उलासा के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 29-6-2003 को हुआ है इस प्रकार वह आपकी चौथी संतान है, जो कि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड ग के अन्तर्गत अयोग्य हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर उक्त बारे में अपना पक्ष प्रस्तुत करें यदि आपका उत्तर उक्त अवधि तक प्राप्त नहीं होगा तो आपके विरुद्ध हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

राहुल आनन्द,  
उपायुक्त,  
चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश।

